safbin
For Small Farmers Future

## वर्षा आधारित क्षेत्र में अनुकूलित खेती पर प्रयोग

# बीजामृत

बीजामृत बीज की अंकुरण क्षमता को बढ़ाता है और फसल/बीज को मिट्टी से होने वाले रोगों से बचाता हैं।

## बनाने की विधी

- सभी सामग्रीयों को एक मटके में अच्छी तरह से मिलाकर २४ घण्टे के लिए सूती कपड़े से ढ़क कर रखें।
- घोल को सुबह और शाम दो बार घड़ी की दिशा में घुमाऐं जिससे की घोल की सामग्री अच्छे से मिल जायें।
- यह घोल ७ दिन तक उपयोग कर सकते हैं।

## उपयोग

- यह घोल सभी प्रकार के बीजों के उपचार में उपयोगी हैं।
- बुआई से पहले बीज को अच्छी तरह से इस घोल में मिलाकर १२–१८ घण्टे के लिए छाँव मे सूखने को छोड़ दें।
- उपचारित बीज को अच्छी तरह सूख जाने के बाद (जब सभी बीज अलग–अलग हो जाऐं) बुआई करें।


Co-Financed by
European Union
Caritas Austria

"This document has been produced with the financial assistance of European Union. The contents of this document are the sole responsibility of the SAFBIN project partners and under no circumstances be regarded as reflecting the position of the European Union"

Implemented by
Caritas INDIA
The Joy of Service...

Associate Partners
AFPRO
Action For Food Production



CARITAS INDIA, CBCI CENTRE, 1 ASHOK PLACE, NEW DELHI 110001
Website: www.safbin.org, Email: sacu@safbin.org


© Caritas India@2015